पूर्णांक - 50

25X2

स्नातक द्वितीय खंड

मॉडल प्रश्न–पत्र

हिन्दी– N.H.

1. 'धोखा' निबंध के रचनाकार हैं :
   (क) प्रतानारायण मिश्र (ख) भारतेन्दु (ग) प्रेमघन (घ) श्रीधर पाठक
2. 'जुलूस' कहानी के रचनाकार हैं :
   (क) जैनेन्द्र (ख) यशपाल (ग) प्रसाद (घ) प्रेमचंद
3. दारोगा बीरबल सिंह किस कहानी का पात्र है ?
   (क) जुलूस (ख) पंच परमेश्वर (ग) नमक का दारोगा (घ) तीसरी कसम
4. 'साहित्य' शीर्षक निबंध के लेखक हैं :
   (क) शिवपूजन सहाय (ख) प्रेमचंद (ग) दिनकर (घ) निराला
5. 'सुभान खाँ' कहानी के रचनाकार हैं :
   (क) शिवपूजन सहाय (ख) रामवृक्ष बेनीपुरी (ग) प्रेमचंद (घ) राधाकृष्ण
6. 'विष के दाँत' कहानी के रचनाकार हैं :
   (क) नलिन विलोचन शर्मा (ख) देवेन्द्रनाथ शर्मा (ग) रामावतार शर्मा (घ) रामवृक्ष बेनीपुरी
7. मदन किस कहानी का पात्र है ?
   (क) सुभान खाँ (ख) विष के दाँत (ग) कफन (घ) जुलूस
8. 'ताला' शीर्षक निबंध के रचनाकार हैं :
   (क) नलिन विलोचन शर्मा (ख) देवेन्द्रनाथ शर्मा (ग) शिवपूजन सहाय (घ) प्रतापनारायण मिश्र
9. 'मातृभूमि' शीर्षक कविता के कवि हैं :
   (क) सुमित्रानंदन पंत (ख) हरिवंश राय बच्चन (ग) मैथिलीशरण गुप्त (घ) रामनरेश त्रिपाठी
10. 'अन्वेषण' शीर्षक कविता के कवि हैं :
    (क) निराला (ख) प्रसाद (ग) पंत (घ) रामनरेश त्रिपाठी
11. 'मनुष्य की समानता' शीर्षक कविता के कवि हैं :
    (क) गोपाल सिंह 'नेपाली' (ख) आरसी प्रसाद सिंह
    (ग) शिवमंगल सिंह 'सुमन' (घ) रामधारी सिंह 'दिनकर'
12. 'आ : धरती कितना देती है' शीर्षक कविता के कवि हैं :
    (क) सुमित्रानंदन पंत (ख) महादेवी वर्मा
    (ग) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (घ) जयशंकर प्रसाद
13. 'मंजिल दूर नहीं है' कविता के कवि हैं :
    (क) रामधारी सिंह 'दिनकर' (ख) हरिवंश राय बच्चन
    (ग) रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' (घ) शिवमंगल सिंह 'सुमन'
14. 'जाहिद और दीवाना' कविता के कवि हैं :
    (क) शिवमंगल सिंह 'सुमन' (ख) हरिवंश राय बच्चन
    (ग) श्यामनंदन किशोर (घ) रामधारी सिंह 'दिनकर'
15. 'अंगार बरसना' मुहावरे का अर्थ है :
    (क) अधिक गर्मी पड़ना (ख) ज्वालामुखी फूटना (ग) अधिक वर्षा होना (घ) नुकसान होना
16. 'अपना उल्लू सीधा करना' मुहावरे का अर्थ है :
    (क) अपना काम निकालना (ख) फूट–फूटकर रोना
    (ग) काम बिगाड़ना (घ) अपना नुकसान करना
17. 'अंगूठा दिखाना' मुहावरे का अर्थ है :

(क) चिढ़ाना (ख) सम्मान देना (ग) परेशान करना (घ) नुकसान करना

18. 'अक्ल का दुश्मन' मुहावरे का अर्थ है :
(क) वाचाल (ख) तेज (ग) मूर्ख (घ) विद्वान

19. 'लोहे के चने चबाना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) अत्यंत कठिन काम करना (ख) संकट में होना
(ग) दाँतों की परीक्षा करना (घ) पेट भरकर खाना

20. 'श्रीगणेश करना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) समाप्त करना (ख) पूजा करना (ग) शुरू करना (घ) भगवान का नाम लेना

21. 'सिर में कफन बाँधना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) चिकित्सक के पास जाना (ख) सिरदर्द होना
(ग) जिम्मेदारी से भागना (घ) मरने के लिए तैयार होना

22. 'खून–पसीना एक करना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) तेज गरमी में चलना (ख) कड़ी मेहनत करना
(ग) चिकित्सकीय जाँच कराना (घ) कष्ट झेलना

23. 'घुटने टेकना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) गिर जाना (ख) सत्कार करना (ग) हार मानना (घ) जख्मी होना

24. 'नाकों चने चबाना' मुहावरे का अर्थ है :
(क) युद्ध में जाना (ख) बलिदान होना
(ग) चने की अत्यधिक पैदावार होना (घ) तंग होना

25. 'नौ–दो ग्यारह होना' मुहावरे का अर्थ है
(क) भाग जाना (ख) डर जाना (ग) छिप जाना (घ) गणित पढ़ने जाना

26. 'ओस' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

27. 'महत्त्व' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

28. 'छत्र' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

29. 'हीरा' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

30. 'दम्पत्ति' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

31. 'कवयित्री' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

32. 'माला' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

33. 'होश' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

34. 'जख्म' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

35. 'इस्तीफा' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

36. 'बात' शब्द का लिंग है :

(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

37. 'बचपन' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

38. 'बुखार' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

39. 'भात' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

40. 'शहादत' शब्द का लिंग है :
(क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) उभयलिंग (घ) काव्यलिंग

41. 'आदि' का विपरीतार्थक है :
(क) अनंत (ख) अंत (ग) आरंभ (घ) अंतिम

42. 'आदर' का विपरीतार्थक है :
(क) सम्मान (ख) अनादर (ग) घृणा (घ) अपमान

43. 'आजादी' का विपरीतार्थक है :
(क) स्वतंत्रता (ख) परतंत्रता (ग) गुलामी (घ) छुटकारा

44. 'एकता' का विपरीतार्थक है :
(क) अनेकता (ख) अधिकता (ग) द्विविधा (घ) द्वैत

45. 'क्रूर' का विपरीतार्थक है :
(क) भला (ख) कातर (ग) दयालु (घ) अहंकारी

46. 'जीवन' का विपरीतार्थक है :
(क) मौत (ख) मरण (ग) अल्पायु (घ) जिन्दगी

47. 'निर्बल' का विपरीतार्थक है :
(क) अशक्त (ख) सबल (ग) सक्षम (घ) वीर

48. 'बुद्धिमान' का विपरीतार्थक है :
(क) विद्वान (ख) कमअक्ल (ग) बेवकूफ (घ) मूर्ख

49. 'लाभ का विपरीतार्थक है :
(क) घाटा (ख) हानि (ग) फायदा (घ) नाश

50. 'महात्मा का विपरीतार्थक है :
(क) दुरात्मा (ख) नीच (ग) धूर्त (घ) मूर्ख

❖❖❖